SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

97 वां वर्ष सेवा का
th year of service

वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2007-08

"कार्यनीतियां पथ प्रशस्त करती हैं ...
व्यक्ति परिणाम देते हैं..."

"Strategies point the way...
People deliver results..."

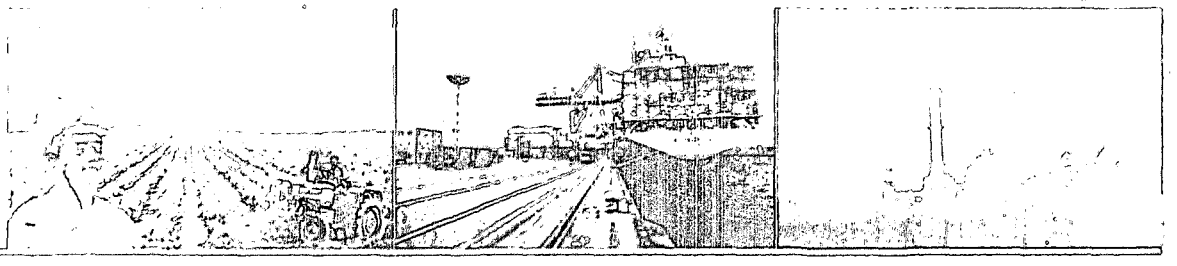

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India

www.centralbankofindia.co.in

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

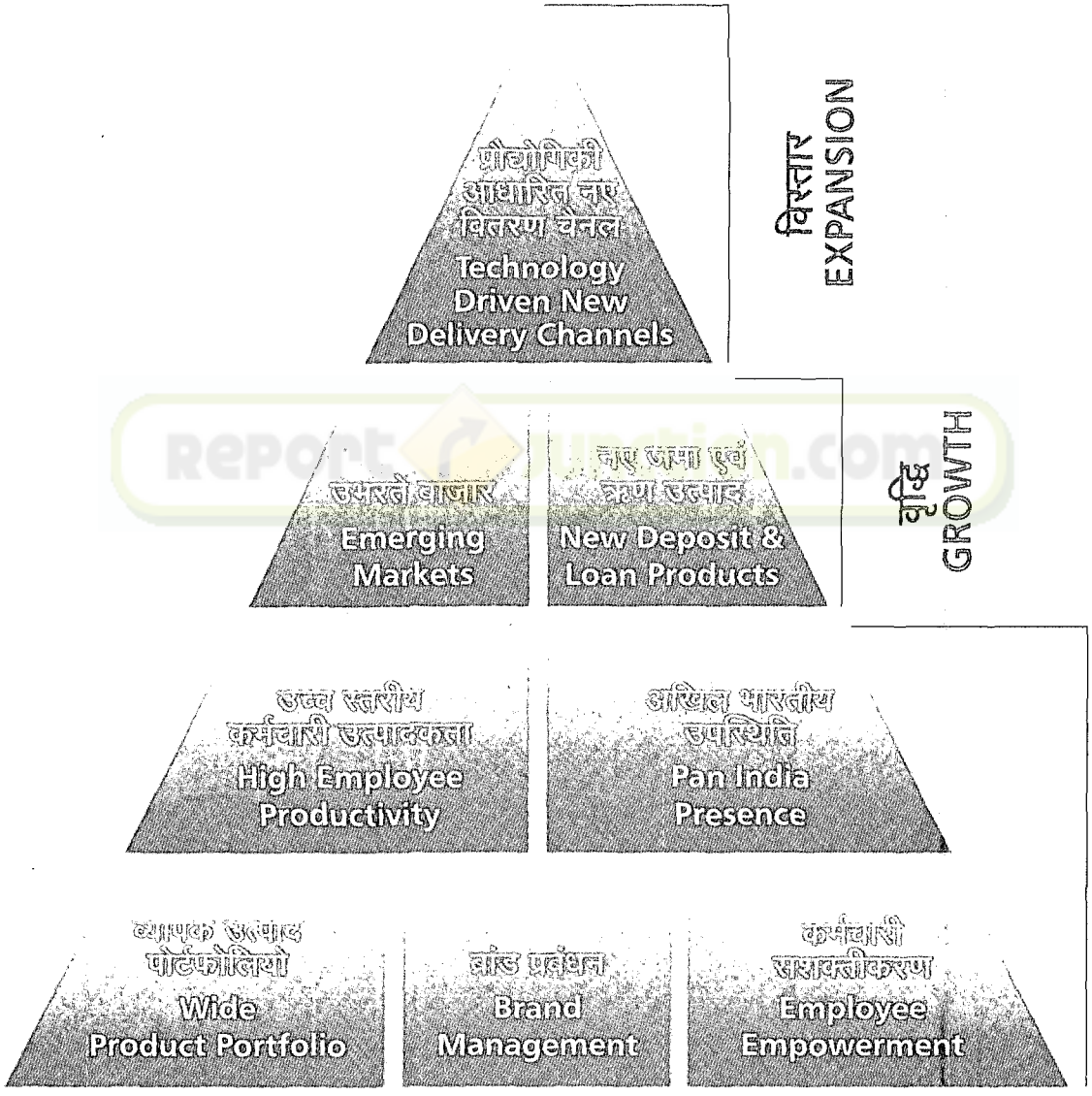

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

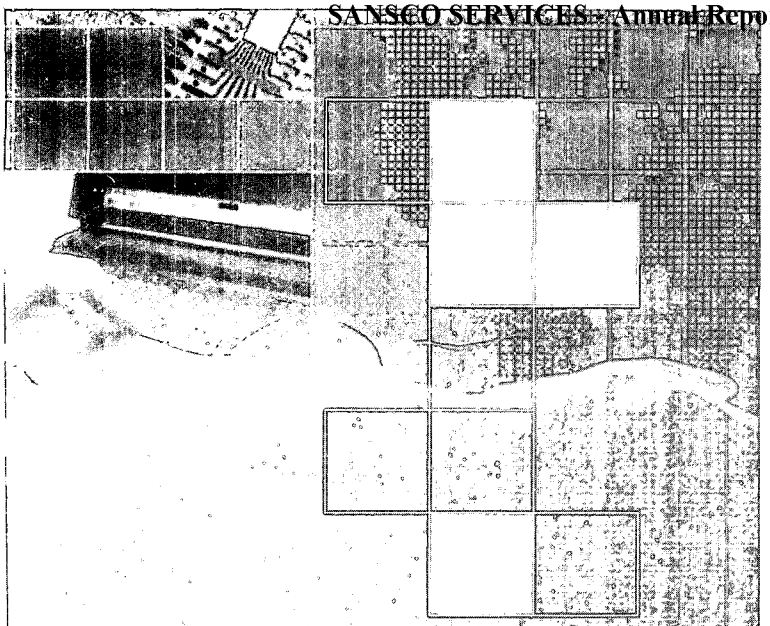

भविष्य के लिए निर्धारित रोड-मैप के बगैर कोई भी व्यवसाय सफलतापूर्वक नहीं किया जा सकता. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया में हम अपनी व्यावसायिक वृद्धि की आयोजना तथा अपनी गतिविधियों की प्राथमिकता-निर्धारण पर बल देते हैं. यह बड़ा ही स्वाभाविक है कि अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं से हम में ऊर्जा का संचार होता है. हम अपने से पूछते हैं - क्या हम उन बैंकिंग समाधानों को ढूंढने में समर्थ हैं, जो हमारे कॉर्पोरेट ग्राहकों की जरूरतों को हल कर सके. क्या एक दशक उपरांत हम वैश्विक गति के अनुरूप सुसज्जित हो पाएंगे ? क्या हमारे वर्तमान कार्य-निष्पादन में भावी आकांक्षाएं शामिल हैं ? कुछ हद तक इन प्रश्नों के उत्तर हमारे कार्य-निष्पादन के ब्लू-प्रिन्ट बन जाते हैं.

हमें विश्वास है कि ग्राहक समाधान का स्थान सर्वोपरि है... और अनिवार्यतः इसी का रूपांतरण लाभप्रदता में होता है. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया में हमारा प्रतिबद्ध कार्यबल इसे साकार करता है. वे कार्य-नीतियों को मूर्त रूप देते हैं. वे परिणाम प्रदान करते हैं. उनकी ही अभिप्रेरणा और मजबूत इरादों ने सपनों को सच कर दिखाया है.

हाँ, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की अपनी कार्यनीतियां हैं और कंधे से कंधा मिलाकर काम करने वाले उसके अपने लोग. और इसका परिणाम, आप देख सकते हैं, आनंद!

No business can run successfully without a roadmap for the future. At Central Bank of India, we lay emphasis on planning our business growth and prioritizing our activities. Quite simply, we are fuelled by our customer's expectations. We ask ourselves - are we able to find banking solutions that answer the needs of our corporate clientele? Will we be equipped to match the pace of the global Indian a decade later? Does our present performance have the future built in? More often than not, the answers to these questions become the blueprint of our performance.

We believe that customer satisfaction stands foremost...and will inevitably translate into profitability. At Central Bank of India, our committed workforce makes it happen. They implement the strategy. They deliver results. It is their motivation and mindset that transform dreams to reality.

Yes, Central Bank of India has its strategies and people working in tandem. The result, as you can see, is joy!

विषय सूची / Contents

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	2
निदेशक मंडल / Board of Directors	4
नोटिस	5
निदेशकों की रिपोर्ट	6
कॉर्पोरेट गवर्नेंस	25
भारत के राष्ट्रपति को लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	36
31 मार्च, 2008 का तुलन पत्र	37
31 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ–एवं हानि खाता	38
तुलन पत्र की अनुसूचियां	39
लाभ एवं हानि खाते की अनुसूचियां	43
मुख्य लेखागत नीतियां	44
लेखों से संबंधित टिप्पणियां	47
31 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण	60
31 मार्च, 2008 का समेकित तुलन पत्र	63
प्रोक्सी फॉर्म	82
उपस्थिति पर्ची, प्रवेश पत्र	83
Message from the Chairperson & Managing Director	84
Notice	86
Directors' Report	87
Corporate Governance Report	106
Auditors' Report to the President of India	117
Balance Sheet as at 31st March, 2008	118
Profit & Loss Account for the year ended 31st March, 2008	119
Schedules to Balance Sheet	120
Schedules to Profit & Loss Account	124
Principal Accounting Policies	125
Notes forming part of the Accounts	128
Cash Flow Statement for the year ended 31st March, 2008	142
Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2008	144
Proxy Form	162
Attendance Form, Entry Form	163

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

एच.ए.सारखाला
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

अध्यक्ष महोदया की कलम से

"यह एक चुनौतियों भरा वर्ष रहा है. एक ऐसा वर्ष, जिसने तमाम प्रश्न खड़े किए हैं. क्या अच्छा रहा ? क्या अच्छा नहीं रहा ? हमारी प्रतिक्रिया कैसी रही ? हमने क्या बदला ? वह कौनसी कार्यनीति है, जो हमें आगे ले जाएगी ?"

प्रिय शेयरहोल्डर,

यह एक चुनौतियों भरा वर्ष रहा है. एक ऐसा वर्ष, जिसने तमाम प्रश्न खड़े किए हैं. क्या अच्छा रहा ? क्या अच्छा नहीं रहा ? हमारी प्रतिक्रिया कैसे रही ? हमने क्या बदला ? वह कौनसी कार्यनीति है, जो हमें आगे ले जाएगी ?

कुल मिलाकर यह समाधानों, संभावनाओं, शक्तियों के उजागर होने का भी वर्ष रहा है. यह बैंक, जिसकी स्थापना स्वराज्य आंदोलन की अवधि के दौरान भारतीय जन समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए की गई थी, वह आज सही मायनों में लोगों का बैंक बन चुका है. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को विभिन्न घटकों के निवेशकों से अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला. इस आईपीओ को कुल 7.91 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जो अपने-आप में एक रिकॉर्ड है तथा यह 62.07 गुना ओवरसब्स्क्राइब हुआ, जो आज की तारीख में किसी भी बैंक द्वारा प्राप्त सब्स्क्रिप्शन की तुलना में सर्वाधिक है.

इस सफलता के लिए बैंक अपने स्टेकहोल्डरों का तहेदिल से ऋणी है. यह नि:संदेह इस बात का प्रमाण है कि लोगों की हम पर अटूट आस्था है, जिसने हमें जून, 2008 में प्रकाशित इकॉनॉमिक टाइम्स ब्रांड इक्विटी के शीर्ष 50 सेवा ब्रांडों की सूची में भारत के चार शीर्षस्थ राष्ट्रीयकृत बैंकों में से एक बैंक के रूप में पुरस्कृत किया है. यह हमारे प्रख्यात स्वप्नदृष्टा संस्थापक सर सोराबजी पोचखानावाला के इन विख्यात शब्दों को चरितार्थ करता है, उद्धृत "सेन्ट्रल बैंक जन आस्था पर टिका है. अतीत में भी इसे यह समर्थन (जन-समर्थन) प्रचुर मात्रा में मिला है और इसे आशा है कि भविष्य में भी और अधिक पैमाने पर इस विश्वास को प्राप्त करता रहेगा. यह अपने को 'लोगों का अपना बैंक' मानता है और न केवल अतीत में, बल्कि भविष्य में भी यह अपने लोगों की सेवा में जुटा रहेगा." अनुद्धृत

बैंकिंग जगत में नवोन्मेषक के रूप में हम पहचाने जाते हैं और बैंक ने हमेशा ही यह सिद्ध किया है कि सही नवोन्मेषता मानसिकता से शुरू होती है तथा इसे ग्राहकों के जीवन से परस्पर गूँथा जाता है. यह हमारा उद्देश्य है कि हमारे साथ ग्राहकों का बैंकिंग अनुभव उनकी अपेक्षाओं से हमेशा ऊपर रहे. इस प्रयोजनार्थ हम निरंतर अपने उत्पादों तथा सेवाओं का मूल्यांकन करते हैं. वितरण चैनल को विस्तार देने के लिए हमने कई प्रौद्योगिकीय पहल की हैं. हमारे विस्तारित सीबीएस प्लेटफॉर्म से कई आधुनिक सेवाओं का उदय हुआ है. री-ब्रांडिंग पहल के तहत एक समग्र आधुनिक उर्जस्वी संस्था के रूप में अपने को प्रस्थापित करने के लिए हमारे बैंक ने एक नए साइन-एज को अपनाया है, जिसमें बहुत ही चमकीले नीले तथा लाल रंग को शामिल किया गया है, जो इसके अत्याधुनिक स्वरूप का आभास देता है. नीला रंग "शांति तथा स्थायित्व" का, लाल रंग "उर्जस्वी विचार तथा सकारात्मक

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

क्रिया" का द्योतक है. दोनों ही मिलकर "पुरातन परंपरा" के "आधुनिक स्वरूप" का संकेत देते हैं.

वर्ष 2007-08 की कई उपलब्धियों से आपको अवगत कराने में मुझे हर्ष हो रहा है.

- बैंक का कुल व्यवसाय रु.1,84,607 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया है, जो 35.47 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.
- कुल जमाओं में रु.27,544 करोड़ की वृद्धि हुई, जो 33.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.
- सकल अग्रिमों में 38.88 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रु.20,798 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई.
- प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम वर्ष 2006-07 के रु.22,467 करोड़ के आंकड़े से बढ़ कर वर्ष 2007-08 में रु.25,442 करोड़ हो गया.
- बैंक ने संशोधित एएस-15 को अंगीकार किया है तथा दिनांक 1 अप्रैल, 2007 को रु.875 करोड़ की अंतर्वती (ट्रांजिशनल) देयता को प्रारंभिक रेवेन्यु रिज़र्व के समक्ष समायोजित किया है.
- वित्तीय समावेशन के संबंध में 3789 गावों में 100 प्रतिशत वित्तीय समावेशन पूरा हुआ तथा 4,25,000 "नो फ्रिल खाते" खोले गए.
- सकल एनपीए तथा सकल अग्रिमों का अनुपात 2006-07 के 4.81 प्रतिशत से घट कर 2007-08 में 3.16 प्रतिशत हो गया.
- मार्च, 2007 की समाप्ति पर शुद्ध एनपीए तथा शुद्ध अग्रिमों का अनुपात 1.70 प्रतिशत था जो मार्च, 2008 के अंत में घट कर 1.45 हो गया.
- बैंक ने अपनी 1020 शाखाओं, 128 विस्तार पटलों तथा एक एनबीओ में कोर बैंकिंग सोल्यूशन्स (सीबीएस) लागू किया है, जिसके तहत 24 राज्यों तथा 2 संघ शासित प्रदेशों में व्याप्त 268 शहरों को कवर किया गया है. सीबीएस शाखाओं के अंतर्गत बैंक के 67 प्रतिशत व्यवसाय को कवर किया गया है.
- म्यूच्यूअल फंड मार्केट में परिलक्षित वृद्धि से लाभ प्राप्त करने के लिए बैंक ने छः शीर्षस्थ फंड अर्थात् यूटीआई म्यूच्यूअल फंड, टाटा म्यूच्यूअल फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन इन्वेस्टमेन्ट्स, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल, रिलायन्स म्यूच्यूअल फंड तथा सुंदरम बीएनपी परिबास के साथ प्रति-बेचान व्यवस्था के लिए तालमेल किया है.
- ऋण जोखिमों, बाजार जोखिमों तथा परिचालन जोखिमों के मद्देनजर संरक्षण के लिए बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशों के अनुसार समेकित जोखिम प्रबंधन प्रणाली को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है.
- बैंक बैसल-II मानदंडों को कार्यान्वित करने की प्रक्रिया में है ताकि वह मार्च, 2009 से पहले इसे अपनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाए.
- बैंक ने उच्चस्तरीय कॉर्पोरेट गवर्नेंस तथा समेकित जोखिम प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की है.

आगामी योजनाएं :

- वित्तीय वर्ष 2008-09 बैंकों के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहेगा. वैश्विक तरलता तथा ऋण संकट, घरेलू अर्थव्यवस्था में मंदी तथा बढ़ती महंगाई का दबाव बैंकों के कार्य-निष्पादन को प्रभावित करेगा. एक ऐसे वक्त पर जब बैंक बैसल-II मानदंडों तक पहुंचने के लिए तथा अपनी सूचना प्रौद्योगिकी संरचना और जोखिम प्रबंधन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए कार्यरत हैं, तब इस स्थिति में उनके उत्कृष्टता अभियान को एक अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ेगा. प्रतिकूलताओं के बावजूद, व्यवसाय वृद्धि, और अधिक लागत प्रभावी संसाधनों को जुटाने, उत्पादक क्षेत्रों को और अधिक उधार देने तथा उच्चतर लाभ अर्जित करने के लिए उच्चस्तरीय क्षमता के साथ कार्य-निष्पादन करना होगा.
- कृषि, एसएमई क्षेत्र, एसएचजी लिंकेज तथा खुदरा क्षेत्रों पर फोकस करने के साथ-साथ बैंक वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर विशेष ध्यान देना जारी रखेगा.
- समग्र ग्राहकों की सेवा के लिए बैंक पूर्व-सक्रिय रूप से कार्यरत रहेगा तथा समता के साथ वृद्धि, जो हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है, उसे पूरा करने के लिए भी हम प्रयासरत रहेंगे.

सस्नेह,

भवदीया,

स्थान : मुंबई

दिनांक : 25 जून, 2008

एच. ए. दारुवाला

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल

सुश्री एच. ए. दारुवाला
श्री के. सुब्बरामन
श्री अल्बर्ट टावरो
डॉ. शशांक सक्सेना
श्री एम.के. भट्टाचार्य
श्री एम. एस. जोहर
श्री कमाल फारुकी
मेजर (सेवानिवृत) वेद प्रकाश
श्रीमती सत्या बहिन
श्री हरीश चण्डोक
श्री रोमेश सभरवाल
श्रीमती इन्दु सिंह पवार
श्री सी.एम. पुरी
श्री एन.के. पारीक

Board of Directors

MS. H. A. DARUWALLA
SHRI K. SUBBARAMAN
SHRI ALBERT TAURO
DR. SHAHSHANK SAKSENA
SHRI M. K. BHATTACHARYA
SHRI M. S. JOHAR
SHRI KAMAL FARUQUI
MAJOR (RETD.) VED PRAKASH
SMT. SATYA BAHIN
SHRI HARISH CHANDHOK
SHRI ROMESH SABHARAWAL
SMT. INDU SINGH PAWAR
SHRI C. M. PURI
SHRI N. K. PAREEK

लेखा परीक्षक

मेसर्स छाजेड़ एण्ड दोशी
मेसर्स मुरली एसोसिएट्स
मेसर्स पी.जी.भागवत
मेसर्स भूषण बेंसल जैन एसोसिएट्स
मेसर्स जोसेफ एण्ड राजाराम
मेसर्स उम्मेद जैन एण्ड कंपनी

Auditors

M/s Chhajed & Doshi
M/s Murali Associates
M/s P.G. Bhagwat
M/s Bhushan Bensal Jain Associates
M/s Joseph & Rajaram.
M/s Ummed Jain & Co.

शेयर ट्रांसफर एजेन्ट

रजिस्ट्रार एण्ड शेयर ट्रांसफर एजेन्ट
इन्टाइम स्पेकट्रम रजिस्ट्री लिमिटेड
सी–13, पन्नालाल सिल्क मिल्स कंपाउन्ड
लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडुप (पश्चिम),
मुम्बई 400 078

निवेशक कक्ष,
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
10वी मंजिल,
चन्द्रमुखी,
नरीमन पाइंट,
मुम्बई 400 021

Share Transfer Agents

Registrar & Share Transfer Agents
Intime Spectrum Registry Limited
C-13, Pannalal Silk Mills Compound
LBS Marg, Bhandup (West)
Mumbai 400 078

Investors Cell
Central Bank of India
10th Floor
Chandramukhi
Nariman Point
Mumbai 400 021

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

केन्द्रीय कार्यालय : चन्द्रमुखी, नरीमन पाइंट, मुम्बई 400021

नोटिस

एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयरधारकों की प्रथम वार्षिक सामान्य बैठक निम्नलिखित कार्य करने हेतु दिन गुरुवार दिनांक 31 जुलाई, 2008 को दोपहर 3.00 बजे सर सोराबजी पोचखानवाला बैंकर्स प्रशिक्षण महाविद्यालय, कूपर अस्पताल के पास, जेवीपीडी स्कीम, विले पार्ले - पश्चिम, मुम्बई 400056 में आयोजित की जाएगी:

1. दिनांक 31 मार्च, 2008 का तुलन-पत्र, दिनांक 31 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाता, लेखों द्वारा कवर की गई अवधि के लिए बैंक की कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र और लेखों पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर चर्चा, अनुमोदन तथा उन्हें स्वीकार करना.
2. वर्ष 2007-08 के लिए लाभांश घोषित करना.

स्थान:मुम्बई
दिनांक : 25 जून 2008

एच. ए. दारूवाला
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां :

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति:

बैठक में उपस्थित होने तथा मत देने के लिए पात्र शेयरधारक उसके स्वयं के स्थान पर बैठक में उपस्थित होने तथा मत देने के लिए प्रॉक्सी (चाहे वह शेयरधारक है अथवा नहीं, किन्तु वह बैंक का कर्मचारी अथवा अधिकारी के अलावा होना चाहिए) को नियुक्त करने का पात्र है. प्रॉक्सी को सक्रिय रूप से भाग लेने के उद्देश्य से मुख्तारनामा अथवा अन्य प्राधिकार यदि कोई है, जिसके तहत यह हस्ताक्षरित है अथवा यदि ऐसा मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार बैंक में पूर्व में जमा तथा पंजीकृत नहीं किया है तो नोटरी पब्लिक अथवा मजिस्ट्रेट द्वारा मुख्तारनामा अथवा अन्य प्राधिकार की प्रमाणित सत्य-प्रतिलिपि के साथ बैठक की तिथि से कम-से-कम चार दिन पूर्व अर्थात शनिवार 26 जुलाई 2008 को अपराहन 2.00 बजे से पहले चन्दरमुखी, नरीमन पाइंट, मुम्बई 400021 स्थित केन्द्रीय कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना चाहिए.

2. प्रतिनिधि की नियुक्ति:

कंपनी के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में किसी भी व्यक्ति को बैठक में भाग लेने व मत देने का अधिकार तब तक नहीं होगा जब तक कि उसे विधिवत रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव की प्रति, जिस बैठक में वह प्रस्ताव परित किया गया था, उसके अध्यक्ष द्वारा प्रमाणीकृत, बैंक के केन्द्रीय कार्यालय में बैठक की तारीख से कम से कम चार दिन पूर्व अर्थात शनिवार 26 जुलाई 2008 को अपराहन 2.00 बजे से पहले प्राप्त हो जाना चाहिए.

3. उपस्थिति पर्ची-सह-प्रविष्टि पास:

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पर्ची-सह प्रविष्टि पास को इस सूचना के साथ संलग्न किया गया है. शेयरधारकों/ प्रतिनिधित्वधारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे इसे भरें व उसमें उपलब्ध स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें व उसे उपर्युक्त स्थान पर प्रस्तुत करें. शेयरधारकों के प्रतिनिधि/प्राधिकृत प्रतिनिधि को "प्रतिनिधि" या "प्राधिकृत प्रतिनिधि" जैसा भी मामला हो, का उल्लेख उपस्थिति पर्ची में करें.

4. शेयरधारक के रजिस्टर की बंदी:

शेयरधारकों का रजिस्टर एवं बैंक की शेयर अंतरण बही गुरूवार दिनांक 24 जुलाई 2008 से बुधवार 30 जुलाई 2008 तक (दोनों दिन सम्मिलित हैं) तक बंद रहेगी.

5. लाभांश का भुगतान:

बैंक के निदेशक मंडल ने अपनी 24 अप्रैल, 2008 को आयोजित बैठक में 31 मार्च, 2008 वित्तीय वर्ष के लिए रु.2/- प्रति शेयर के लाभांश की सिफारिश की है. उपर्युक्त बिन्दु क्र.4 में किए गए उल्लेख के अनुसरण में, यह लाभांश उन शेयरधारकों को भुगतान किया जाएगा जिनके नाम दिनांक 31जुलाई 2008 को बैंक के शेयरधारकों के रजिस्टर में दर्ज हैं तथा जो भौतिक रूप से शेयर धारण करते हैं तथा एनएसडीएल एवं सीडीएसएल द्वारा 23 जुलाई 2008 की कारोबार समाप्ति पर बैंक को उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार डीमेट के रूप में जिन्होंने शेयर रखे हैं. पात्र शेयरधारकों को 11 अगस्त 2008 को अथवा उससे पूर्व लाभांश का संवितरण किया जाएगा.

31 जुलाई 2008 की कारोबार समाप्ति पर बैंक को उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार डीमेट के रूप में जिन्होंने शेयर रखे हैं. पात्र शेयरधारकों को 12 अगस्त 2008 को अथवा उससे पूर्व लाभांश का संवितरण किया जाएगा.

6. पता/लाभांश अधिदेश में परिवर्तन:

शेयरधारकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने पता, लाभांश अधिदेश, बैंक-विवरण, इत्यादि में परिवर्तन संबंधी सूचना बैंक के रजिस्ट्रार एण्ड ट्रांसफर एजेन्ट को तत्काल सूचित करें ताकि बाद में किसी भी प्रकार की असुविधा को टाला जा सके. जो शेयरधारकगण उनके शेयर इलेक्ट्रोनिक फार्म में रख रहे हैं, वे कृपया उनके डिपोजिटरी सहभागीदार (डीपी) से ऐसे अनुरोध को नोट करने के लिए संपर्क करें.

7. पृष्ठों का समेकन:

जिन शेयरधारकों के पास एक से अधिक खाते में समान नामों के क्रम में शेयरधारिता है, उनसे अनुरोध है कि शेयर प्रमाणपत्रों के साथ ऐसे खातों के बही पृष्ठ की सूचना रजिस्ट्रार एण्ड ट्रांसफर एजेन्ट को दें ताकि सभी धारिताओं को एक खाते में समेकित करने के लिए बैंक को सुविधा हो सके. आवश्यक पृष्ठांकन करने के बाद सदस्यों को शेयर प्रमाणपत्र यथा समय पर वापस कर दिए जाएंगे.

8. अंतरण एवं निवेशकों की सेवाओं के लिए प्रस्तुतीकरण:

अंतरण विलेख के साथ शेयर प्रमाणपत्र तथा कोई भी शिकायत, बैंक के रजिस्ट्रार एण्ड शेयर ट्रांसफर एजेन्ट को निम्नलिखित पते पर अग्रेषित करें.

इनटाइम स्पेक्ट्रम रजिस्ट्री लि. (यूनिट: सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया)
सी-13 पन्नालाल सिल्क मिल्स कंपाउन्ड, एलबीएस मार्ग, भांडुप (पश्चिम), मुम्बई 400078
फोन: (022) 2596 3838, फैक्स: (022) 2594 6969, Email : isrl@intimespectrum.com

9. सदस्यगणों से अनुरोध:

कृपया नोट करें कि वार्षिक सामान्य बैठक में मितव्ययी उपाय की दृष्टि से वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियों का वितरण नहीं किया जाएगा. अत: सदस्यों से अनुरोध किया जाता है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां बैठक में अपने साथ लाएं.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट

निदेशक मंडल को दिनांक 31.03.2008 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का लेखा परीक्षित विवरण तथा नकद प्रवाह विवरण के साथ सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है.

1. वित्तीय वैशिष्ट्य :

- बैंक का कुल व्यवसाय 35.47 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए रु.1,84,607 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया.
- कुल जमाओं में 33.27 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ यह रु.1,10,320 करोड़ के स्तर तक पहुंच गई.
- सकल अग्रिमों में 38.88 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ रु.20,798 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए यह रु.74,287 करोड़ हो गया.
- खुदरा ऋण क्षेत्र में 32.12 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई. कुल खुदरा ऋण रु.7621 करोड़ रहा.
- प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम 13.24 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाते हुए रु.25,442 करोड़ हो गया.
- कुल कृषि अग्रिम, 23.80 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु.9,117 करोड़ से बढ़कर रु.11,287 करोड़ हो गया.
- एसएमई क्षेत्र का अग्रिम रु.6037 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया.
- कुल 62,024 स्वयं सहायता समूहों के साथ बैंक की ऋण सम्बद्धता रही, जिसमें बकाया शेष रु. 360 करोड़ है.
- बैंक ने 10,886 विद्यार्थियों को कुल रु.294 करोड़ का शैक्षणिक ऋण स्वीकृत किया. सकल शैक्षणिक ऋण रु.561.00 करोड़ है.
- वित्तीय समावेशन के तहत 3789 गांवों में 100 प्रतिशत वित्तीय समावेशन पूर्ण कर लिया गया है तथा 4,25,000 "नो-फ्रिल खाते" खोले गए.
- विभेदक ब्याज दर (डीआरआई) के तहत, बैंक ने वर्ष 2007-08 के दौरान रु.44.20 करोड़ का ऋण प्रदान किया.
- अल्पसंख्यक समुदाय को ऋण के तहत, बैंक ने में 22.83 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए रु.1498 करोड़ की तुलना में रु.1840 करोड़ की राशि 3,45,145 लाभार्थियों को प्रदान की.
- सकल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए का अनुपात 1.65 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी के साथ वर्ष 2006-07 के 4.81 प्रतिशत से घटकर 2007-08 को 3.16 प्रतिशत रह गया.
- शुद्ध अग्रिमों की तुलना में शुद्ध एनपीए का अनुपात 25 आधार बिन्दु से घट कर मार्च 2007 की समाप्ति पर 1.70 प्रतिशत से घटकर मार्च 2008 की समाप्ति पर 1.45 प्रतिशत रहा.
- वर्ष के दौरान, 96 शाखाएं खोली गईं तथा 22 विस्तार पटलों को संपूर्ण शाखाओं में परिवर्तित किया गया, जिससे शाखाओं की संख्या बढ़कर 3308 हो गई.
- 3308 शाखाओं में 1348 ग्रामीण शाखाएं, 807 अर्द्ध शहरी शाखाएं, 613 शहरी शाखाएं तथा 540 महानगरीय शाखाएं थीं.
- बैंक ने 24 राज्यों तथा 2 संघ शासित प्रदेशों में 268 शहरों को कवर करते हुए 1020 शाखाओं, 128 विस्तार पटलों तथा एक एनबीओ में कोर बैंकिंग सोल्यूशंस (सीबीएस) क्रियान्वित किया है. सीबीएस शाखाओं के अंतर्गत बैंक का 67 प्रतिशत व्यवसाय कवर किया गया है.
- पैरा बैंकिंग व्यवसाय के एक घटक के रूप में बैंक ने छह शीर्ष म्यूच्यूअल फंडों अर्थात फ्रेंकलिन टेम्पलटन इन्वेस्टमेंट, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, रिलायन्स म्यूच्यूअल फंड, सुन्दरम बीएनपी परिबास, टाटा म्यूच्यूअल फंड तथा यूटीआई म्यूच्यूअल फंड के साथ प्रति-बेचान व्यवस्था के लिए गठजोड़ किया है.
- 116 शाखाओं में डीमेट सेवाएं उपलब्ध हैं.
- बैंक द्वारा की गई नई पहल के तहत शामिल हैं, "सेन्ट स्वाभिमान", वरिष्ठ नागरिकों के लिए चरिवर्स मॉट्गेज ऋण योजनाछ तथा व्यावसायिक पायलटों के प्रशिक्षण हेतु च्सेन्ट उड़ानछ ऋण योजना.
- ऋण जोखिमों, बाजार जोखिमों तथा परिचालन जोखिमों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुदेशों के अनुसार, बैंक ने समन्वित जोखिम प्रबंधन प्रणाली सफलतापूर्वक कार्यान्वित की है.
- बैंक बैसल-II मानदण्डों के कार्यान्वयन में प्रक्रियारत है ताकि मार्च 2009 के पूर्व वह पूरी तरह से तैयार हो जाए.
- वर्ष के दौरान, बैंक ने विभिन्न पूर्व-सक्रिय एचआरडी उपाय लागू किए हैं.

2. आय एवं व्यय

- वर्ष के दौरान, कुल आय बढ़कर रु.8786.60 करोड़ हो गई है.
- ब्याज आय में रु.1761.33 करोड़ [28.25%] की वृद्धि दर्ज हुई है.
- अन्य आय में रु.152.08 करोड़ [23.80%] की वृद्धि दर्ज हुई है.
- ब्याज व्यय रु.3759.79 करोड़ से बढ़कर रु.5772.47 करोड़ हो गई अर्थात रु.2012.68 करोड़ [53.33%] की वृद्धि हुई.
- कुल परिचालन व्यय रु.61.48 करोड़ [3.65%] की वृद्धि के साथ रु.1745.83 करोड़ हो गए.
- वर्ष 2006-07 के रु.498.01 करोड़ के कुल लाभ के समक्ष बढ़ोतरी दर्ज करते हुए वर्ष 2007-08 के लिए शुद्ध लाभ रु.550.16 करोड़ रहा.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वर्ष 2007-08 की अवधि के लिए आय एवं व्यय के विवरण निम्नानुसार हैं:

	रु. करोड़ में			
विवरण	**2006-07**	**2007-08**	**निरपेक्ष वृद्धि**	**वृद्धि (% में)**
कुल ब्याज आय	6234.21	7995.54	1761.33	28.25%
कुल ब्याज व्यय	3759.79	5772.47	2012.68	53.53%
शुद्ध ब्याज आय	2474.42	2223.07	-251.35	-10.16%
अन्य आय	638.98	791.06	152.08	23.80%
निवेशों पर व्यापारिक लाभ [शुद्ध]	50.05	42.71	-7.34	-14.67%
बट्टे डाले गए खातों में वसूली	163.33	168.42	5.09	3.12%
अन्य	425.60	579.93	154.33	36.26%
निवल परिचालन आय	3113.40	3014.13	-99.27	-3.19%
परिचालन व्यय	1684.35	1745.83	61.48	3.65%
स्थापना लागत	1175.41	1214.34	38.93	3.31%
अन्य परिचालन व्यय	508.94	531.49	22.55	4.43%
परिचालन लाभ	1429.05	1268.30	-160.75	-11.25%
प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	733.74	416.36	-317.38	-43.26%
कर व्यय	197.30	301.78	104.48	52.95%
शुद्ध लाभ	498.01	550.16	52.15	10.47%

3. स्प्रेड संबंधी विश्लेषण

- वर्ष 2007-08 में शुद्ध ब्याज आय रु.2223.07 करोड़ थी. ब्याज व्यय में हुई 53.53% की पर्याप्त वृद्धि के कारण शुद्ध ब्याज आय में कमी हुई.
- परिणामस्वरूप, 2007-08 में शुद्ध ब्याज मार्जन 2.53% तक घट गया

	रु. करोड़ में			
पैरामीटर	**2006-07**	**2007-08**	**निरपेक्ष वृद्धि**	**वृद्धि (% में)**
कुल ब्याज आय	6234.21	7995.54	1761.33	28.25%
कुल प्रदत्त ब्याज	3759.79	5772.47	2012.68	53.53%
स्प्रेड	2474.42	2223.07	-251.35	-10.16%
निधियों पर आय (% में)	7.99	8.85	0.86	10.76%
निधियों की लागत (% में)	5.09	6.27	1.18	23.18%
शुद्ध ब्याज मार्जिन (% में) औसत अर्जन वाली आस्तियों पर आधारित]	3.28	2.53	-0.75	-22.87%

4. **महत्त्वपूर्ण अनुपात**

पैरामीटर	**2006-07**	**2007-08**
अग्रिमों पर आय (% में)	8.52%	9.74%
निवेश पर आय (% में)	7.76%	7.37%
जमाओं की लागत (% में)	4.98%	6.24%
औसत कार्यशील निधि (% में)	3.08%	2.20%
शुद्ध ब्याज मार्जिन [एनआईएम] [औसत अर्जक आस्तियों पर आधारित] (% में)	3.28%	2.53%
औसत कार्यशील निधि के समक्ष स्थापना व्यय (% में)	1.46%	1.20%
औसत कार्यशील निधि के समक्ष अन्य परिचालन व्यय (% में)	0.63%	0.53%
औसत आस्तियों पर प्रतिफल [आरओए] (% में)	0.62%	0.54%
लागत आय अनुपात (% में)	54.10%	57.92%
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय [रु. लाख में]	303.85	400.99
प्रति कर्मचारी लाभ [रु. लाख में]	1.35	1.56
बही मूल्य [रु.]		96.61
प्रति शेयर आय [रु.]		12.48

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

5. जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी का अनुपात (सीआरएआर)

- वर्ष के दौरान, बैंक ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से रु.80 करोड़ की अतिरिक्त शेयर पूंजी जुटाई.
- बैंक ने रु.389.10 करोड़ की राशि तक के लिए गौण ऋण [टियर II पूंजी] भी जुटाया.
- एएस-15 (संशोधित) के तहत कर्मचारियों के लाभार्थ रु.875 करोड़ की एक बारगी संक्रमणकालीन देयता को अभिचिन्हित किया है तथा प्रारंभिक राजस्व रिजर्व को प्रभारित किया है.
- जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में बैंक का पूंजी-अनुपात (सीआरएआर) 9% के बेंचमार्क के समक्ष 10.42% रहा.

सीआरएआर		[रु. करोड़ में]
पूंजी की संरचना	**मार्च-07**	**मार्च-08**
जोखिम भारित आस्तियां	52017.88	71764.85
टियर I पूंजी	3289.82	3889.67
सीआरएआर [%] [टियर I]	6.32 %	5.42 %
टियर II पूंजी	2121.95	3589.57
सीआरएआर [%] [टियर II]	4.08 %	5.00 %
कुल पूंजी	5411.77	7479.24
सीआरएआर [%]	10.40 %	10.42 %

6. प्रावधान एवं आकस्मिकताएं

- ऋण एवं अग्रिम पोर्टफोलियो में सुधार होने के कारण, प्रावधान (कर के अलावा) एवं आकस्मिकताओं के लिए प्रदत्त राशि पिछले वर्ष के रु.733.94 करोड़ से घटकर वर्ष 2007-08 में रु.416.36 करोड़ रह गई है.

7. शुद्ध लाभ एवं लाभांश

- वर्ष के दौरान, कर पूर्व शुद्ध लाभ रु.851.94 करोड़ रहा तथा कर पश्चात शुद्ध लाभ रु.550.16 करोड़ रहा.
- निदेशक मंडल को 20% लाभांश संस्तुत करते हुए अपार हर्ष हो रहा है. लाभांश के कारण कुल निधि-बहिर्गमन रु.150.83 करोड़ है.

8. वर्ष के दौरान निदेशक मंडल (बोर्ड) में परिवर्तन.

समीक्षा वर्ष के दौरान बैंक के निदेशक मंडल में निम्नलिखित परिवर्तन हुए :-

- भारत सरकार ने कार्यपालक निदेशक के एक अतिरिक्त पद का सृजन किया तथा दिनांक 6 जून, 2007 से श्री अल्बर्ट टावरो को कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है.
- श्री पी.पी.मित्रा के स्थान पर दिनांक 11 दिसम्बर, 2007 से सुश्री विनिता कुमार की भारत सरकार के नामित निदेशक के रूप में नियुक्ति की गई.
- श्री एम.एस.जोहर को दिनांक 2 जनवरी, 2008 से अंशकालिक गैर-आधिकारिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है.

निदेशकों के दायित्व संबंधी विवरण

निदेशकों ने पुष्टि की है कि 31 मार्च, 2008 को समाप्त वार्षिक लेखों को बनाने के संबंध में :

- महत्त्वपूर्ण विचलन की स्थिति में स्पष्टीकरण के साथ प्रयोज्य लेखा मानकों का अनुपालन किया गया है.
- भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित लेखांकन नीतियों का अनुपालन निरंतर किया गया है;
- समुचित एवं विवेकसंमत निर्णय तथा प्राक्कलन किये गए हैं ताकि दिनांक 31 मार्च, 2008 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अंत में बैंक के कार्यकलापों तथा लाभ का सही चित्रण प्रस्तुत किया जा सके.
- भारत में स्थित बैंकों में लागू अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखों संबंधित अभिलेख रखने हेतु उचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती गई है ; और
- लेखे "सतत आधार" पर तैयार किए गए हैं.

कॉर्पोरेट गवर्नेंस

बैंक का निदेशक मंडल कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रथाओं को स्वीकार करने के लिए पूर्णरूपेण प्रतिबद्ध है. बैंक ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर सुव्यवस्थित ढंग से प्रलेखीकृत पद्धति एवं प्रक्रिया को अपनाया है.

आभार

निदेशक मंडल भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अमूल्य समर्पण एवं मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता है. हम उन अनगिनत ग्राहकों और शेयरधारकों के प्रति आभार व्यक्त करतें हैं जिन्होंने हमें अतुलनीय सहयोग दिया और हमारे प्रति विश्वास व्यक्त किया है. कर्मचारी सदस्यों द्वारा दी गई समर्पित - एकनिष्ठ सेवा के बिना बैंक इस कार्य निष्पादन को प्राप्त नही कर सकता था.

निदेशक मंडल की ओर से,

स्थान : मुंबई
दिनांक : 25 जून, 2008

(एच.ए. दारुवाला)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

www.reportjunction.com